उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

(संस्कृत विषय)

पाठ्यक्रम कोड- **MASA-03**

प्रश्न पत्र का नाम- **भारतीय दर्शन**

प्रश्न कोष

बहुविकल्पीय - (सामान्य स्तर)

निर्देशः- निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वशुद्ध विकल्प चुनकर लिखें-

1. श्री ईश्वरकृष्ण द्वारा रचित सांख्य दर्शन है- (इ. 1)

क. सांख्यकारिका में ख. तत्वकौमुदी में

ग. योगसूत्र में घ. कारिकावली में

2. वेदान्तसार के रचयिता हैं-; (इ. 1)

क. केशव मिश्र ख. ईश्वरकृष्ण

ग. सदानन्द घ. अन्नंभट्ट

3. केशवमिश्र रचित दर्शनग्रन्थ है- (इ. 1)

क. सांख्यकारिका ख. तर्कसग्रह

ग. तर्कभाषा घ. वेदान्तसार

4. सांख्यकारिका किस दर्शन से सम्बन्धित है? (इ;2)

क. न्याय एवं वैशेषिक ख. योगदर्शन

ग. जैनदर्शन घ. सांख्य दर्शन

5. महाभूतों की संख्या कितनी है? (इ;2)

क. चार ख. पाँच

ग. सात घ. आठ

6. स्वतंत्र तत्वों की संख्या सांख्य में कितनी मानी गयी है? (इ;3)

क. एक ख. तीन

ग. चार घ. दो

उत्तर माला

बहुविकल्पीय सामान्य स्तर

1. क

http://uou.ac.in

2. ग

3. ग

4. घ

5. ख

6 . ख

मध्यम स्तरीय-

7. समवाय क्या है? (इ.12)

क. वाक्य ख. तीन

ग. पद घ. पदार्थ

8. पदार्थ है- (इ.12)

क. रस ख. शब्द

ग. संयोग घ. सामान्य

9. ज्ञान का आश्रय कहलाता है- (इ.12)

क. आत्मा ख. जल

ग. पृथ्वी घ. तेज

10. गन्ध के प्रकार हैं- (इ.12)

क. 2 ख. 5

ग. 18 घ. 4

11. केवल नेत्र ग्राह्य गुण कहलाता है- (इ.12,13)

क. रूप ख. रस

ग. स्पर्श घ. गन्ध

12. नर है- (इ.12,13)

क. स्वेदज ख. अण्डज

ग. जरायुज घ. उद्भिज

उत्तरमाला मध्यम स्तरीय

7.घ	10. क
8.घ	11 ग
9.क	12 . ग

http://uou.ac.in

विशेष स्तरीय-बहुविकल्पीय

13. जीव सुषुप्तिकाल में कहलाता है- (इ.6)

क. प्राज्ञ ख. विश्व

ग. ब्रह्मा घ. विराट्

14. वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान की शक्ति है- (इ.6)

क. आवरण ख. आवरणविक्षेप

ग. विक्षेप घ. कोई नहीं

15. स्वर्ग की प्राप्ति के लिए किया जाता है- (इ.6)

क. ज्योतिष्टोम यज्ञ ख. अश्वमेघ यज्ञ

ग. अग्निष्टोम यज्ञ घ. सर्वमेघ यज्ञ

16. वेदानतसार के अनुसार माया होती है- (इ.7)

क. द्वियपा ख. विविधरूपा

ग. एक रूपा घ. कोई नहीं

17. मनोमय कोश है (इ.7)

क. कर्ता ख. करण

ग. कार्य घ. कोई नहीं

18. 'सर्वसम्भवाभावात्' कहा गया है-(इ.3)

क. शून्यवाद् के लिए ख. कारणवाद के लिए

ग. सत्कार्यवाद के लिए घ. असत्कार्यवाद के लिए

19. अनुबन्ध के अन्तर्गत है- (इ.7)

क. विषय ख. कार्य

ग. विषयी घ. आत्मा

20. अधिकारी की चर्चा की गयी है- (इ.7)

क. सांख्यकारिका में ख. वेदान्तसार में

ग. तर्कभाषा में घ. तर्क संग्रह में

21; निम्न में से कौन नित्य कर्म में नहीं आता- (इ.10,11)

http://ignou.ac.in

क. स्नान ख. पूजा

ग़. जप घ. उपासना

विशेष स्तरीय प्रश्न - उत्तरमाला

13.क 18.ग 19.क

14.ख 20.ख

15.क 21.घ

16.ख

17.ख

<u>रिक्त स्थानों की पूर्ति के प्रश्न</u>

निम्नलिखित प्रश्नों में रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

1. .....भिघातात् जिज्ञासा तदपघातके हेतौ।
2. कार्य अपनी उत्पत्ति से पूर्व कारण में.....रूप में रहता है।
3. परिणामवाद के अनुसार .....कारण का वास्तविक रूपान्तरण है।
4. भेदानां परिमाणात्.....शक्तिः प्रवृत्तेश्च।
5. तीनों प्रकार के दुःखों की अत्यात्रिक निवृत्ति ही.....है।
6. सर्वज्ञात्ममुनि नें ब्रह्सूत्र के ऊपर .....नामक एक ख्याति पद्यबन्द्ध ग्रन्थ लिखा है।
7. काम्य एवं निषिद्ध कर्मो को त्याग देने से.....का उदय रूक जाता है।
8. सत्तत्वतोडन्यथा प्रथा.....इत्युदीरितः।
9. अल्पज्ञता, अनीश्वरता, आदि गुणों से युक्त.....कहलाता है।
10. अज्ञानकलुषं जीवं.....सिद्धि निर्मलम्।
11. न्यायदर्शन का इतिहास लगभग.....का है।

12. वेदान्त का वही अधिकारी है, जिन्हे .....वस्तु के स्वरूप का ज्ञान होना चाहिए।
13. प्रशस्तपाद ने गुणों की .....मानी है।
14. सर्वतन्त्र .....का प्रकार है।

http://ignou.ac.in

15. प्राग्भाव का प्रतियोगी .....कहलाता है।
16. बुद्ध का जन्म ई0 .....पूर्व हुआ था।
17. बुद्ध के सारे उपदेश .....में सन्निहित हैं।
18. यह संसार .....के नियम से संचालित होता है।
19. चार्वाक.....को ही एक मात्र प्रमाण मानता है।
20. चार्वाक .....विरोधी दर्शन है।
21. परम, पूर्ण महेश्वर .....के लिए सृष्टि करता है।

उत्तरमाला

रिक्त स्थानों की पूर्ति-

1. दुःखत्रया (इ.1)
2. अनभिव्यक्त (इ.2)
3. कार्य (इ.2)
4. समन्वयात् (इ.3)
5. कैवल्य (इ.3)
6 संक्षेपशरीरक (इ.6)
7; पापों (इ.7)
8; विकार (इ;7)
9; प्राज्ञ (इ.7)
10; दो हजार(इ.12)
11. नित्य और अनित्य (इ.11)
12. चौबीस (इ.12)
13. सिद्धान्त (इ.12)
14. कार्य (इ.13)
15. छठी शताब्दी (इ.17)
16. चार आर्य सत्य (इ.17)
17. प्रतीत्यसमुत्पाद (इ.17)
18. प्रत्यक्ष(इ.18)
19. वेद(इ.18)
20. क्रीड़ा(इ.19)

लघु उत्तरीय प्रश्न

निर्देश:-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें-

सामान्य स्तरीय

1. शैवदर्शन के अनुसार शिव के पाँच कार्य लिखिए।
2. क्रियमाण कर्म कौन से है?
3. चार्वाक दर्शन की विचारधारा संक्षेप में लिखिए।

http://uou.ac.in

4. जैन दर्शन स्याद्वाद को स्पष्ट कीजिए।
5. बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्य का निरूपण करें।

उत्तर संकेत

लघु उत्तरीय प्रश्न- सामान्य

1. देखें- (इ0-19,पृ.-276)
2. देखें- (इ0-22,पृ.-295,96)
3. देखें- (इ0-18,पृ.-256)
4. देखें- (इ0-17,पृ.-238)
5. देखें- (इ0-17,पृ.-233)

मध्यम स्तरीय

6. प्रामाण्यवाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
7. विरूद्ध हेत्तवाभास के विषय में बताइए।
8. अनुमानप्रमाण का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
9. विवर्त्तवाद का सम्प्रत्यय स्पष्ट करें।
10. मनन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
11. मनोमय कोश पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर संकेत

लघुत्तरीय मध्यम स्तर

6. देखें- इ. 16 पृ0217
7. देखें इ.15 पृ0 208.
8. देखें इ.14 पृ0 196
9. देखें इ.13 पृ082
10. देखें इ.10 पृ0150
11. देखें इ.9 पृ0 126

http://ignou.ac.in

विशेष स्तरीय

12. वेदान्त के अनुसार बुद्धि एवं मन के सम्प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए।
13. सांख्य के अनुसार पंचमहाभूत के विषय में लिखिए।
14. त्रिविध दुःखों का परिचय दीजिए।
15. सांख्य में 'ज्ञ' पुरूष के विषय में लिखिए।
16. सत्कार्यवाद की कारिका लिखकर उसके घटकों की व्याख्या कीजिए ।
17. पुरूष बहुत्व के कारिका की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर संकेत-लघु उत्तरीय विशेष स्तर

12. इ.9 पृ0 123
13. इ.5 पृ0 59
14. इ.4 पृ0 40
15. इ.3 पृ0 30
16. इ.5 पृ0 59
17. इ.6 पृ 72

निबन्धात्मक प्रश्न

सामान्य स्तर -

1. व्यक्त व अव्यक्त प्रकृति का साधर्म्य व वैधर्म्य बताइये।
2. सांख्य के अनुसार मोक्ष के स्वरूप व उसके भेदों को समझाइए।
3. सांख्य के अनुसार सृष्टि का प्रयोजन व विकास क्रम बताइए।

उत्तर संकेत - निबन्धात्मक सामान्य

1. इ.-3 पृ0 27-30
2. इ.-4 पृ0.44-47
3. इ-5 पृ056-60

निबन्धात्मक - मध्यम स्तर के प्रश्न

4. शंकरोत्तर वेदान्ताचार्य वेदान्ताचार्यो का विवरण दीजिए।
5. अनुबन्ध चतुष्ट्य का विशद निरूपण कीजिए।

http://uou.ac.in

6. अज्ञान के स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

7. अहम् ब्रह्मास्मि महावाक्य की अनुभव प्रक्रिया का प्रतिपादन कीजिए।

उत्तर संकेत

4. इ.6पृष्ठ 79.82

5. इ.7 पृ0 86, 90

6. इ.8 पृ0 109,110

7. इ. 10 पृ0 145,50

निबन्धात्मक - विशेष स्तर के प्रश्न

8. तर्कभाषा के प्रमाण चतुष्टय का विवेचन कीजिए।

9. जैन दर्शन के सप्ततत्वों का निरूपण कीजिए।

10. चार्वाक दर्शन के प्रमाण मीमांसा का विशद विवेचन करें।

उत्तर संकेत

8. इ. 14पृ0 192,98

9; इ. 17पृ0 238,42

10. इ. 18पृ0 250, 56

http://uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
(संस्कृत विषय)

पाठ्यक्रम कोड- MASA-04

प्रश्न पत्र का नाम- भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

प्रश्न कोष

बहुविकल्पीय प्रश्न(सामान्य स्तर)

निर्देशः-निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वशुद्ध विकल्प चुनकर लिखें-

1. साहित्य दर्पण के रचयिता हैं - (इ.1)

क. आचार्य मम्मट ख. भामह

ग. विश्वनाथ घ. दण्डी

2. भरतमुनि द्वारा रचित ग्रन्थ है- (इ.6)

क. नाट्यशास्त्र ख. नाट्यदर्पण

ग. काव्यालंकार घ. काव्यादर्श

3. साहित्यदर्पण विभक्त है- (इ.1)

क. आननों में ख. उल्लासों में

ग. अध्यायों में घ. परिच्छेदों में

4. **व्याक्रियन्ते शब्दाः अनेनेति** यह व्युत्पत्ति है- (इ. 17)

क. रस की ख. व्याकरण की

ग. ध्वनि की घ. अलंकर की

5. 'लघुसिद्धान्त कौमुदी' सम्बन्धित है- (इ.17)

क. पाणिनि-अष्टाध्यायी ख. पतन्जलि महाभाष्य से

ग. मम्मट-काव्यप्रकाश सेघ. दण्डी-काव्यादर्श

http://uou.ac.in

6. ध्वन्यालोक कृति है- (इ.14)

क. कुन्तक की ख. केशव मिश्र की

ग. आचार्य आनन्दवर्धन की घ. रूद्रट की

7. आनन्दवर्धन नहीं हैं- (इ.14)

क. ध्वनिवादी ख. ध्वनि के पोषक

ग. अलंकारवादी घ. ध्वनि काव्यात्मा के पोषक

8. नाट्यमण्डप का निर्माण किसके आदेश पर किया गया- (इ.6)

क. विष्णु ख. ब्रह्मा

ग. शिव घ. सरस्वती

9. चतुरस्र-नाट्य मण्डप की लम्बाई-चौड़ाई होती है - (इ.6)

क. 32×30 ख. 30×32

ग. 32×32 घ. 31×32

10. नाट्यशास्त्र में कितने अध्याय हैं ? (इ.6)

क. छत्तीस ख. चौबीस

ग. पैंतीस घ. चौंती

उत्तरमाला - बहुविकल्पीय सामान्य

1. ग
2. क
3. घ
4. ख
5. क
6. ग
7. क
8. ख
9. ग
10. क

मध्यम स्तर के प्रश्न

http://uou.ac.in

11. आठ यव.....के बराबर है। (इ.7)

क. एक हस्त ख. एक अंगुल

ग. एक लिक्षा घ. यूका

12. शब्द की प्रथम शक्ति है- (इ.7)

क. लक्षणा ख. व्यन्जना

ग. अभिधा घ. संकेतग्रह

13. लक्षण लक्षणा का भेद नहीं है -(इ;2)

क. रूढ़िगत उपादान लक्षणा

ख. रूढ़िगत गौडी सारोपा लक्षण लक्षणा

ग. रूढ़िगत शुद्धा साध्यवसाना लक्षण लक्षणा

घ. रूढ़िगत शुद्धा साध्यसाना लक्षण लक्षणा

14. भामह का काव्यलक्षण है- (इ. 15)

क. शब्दार्थौ काव्यम्

ख. शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्

ग. शब्दार्थौ सहितौ गुणालंकारान्वितौ काव्यम्

घ. तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि

15. ''धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च .....।'' यह काव्य प्रयोजन किस लाक्षणिक का है? (इ. 15)

क. भामह ख. रूय्यक

ग. आनन्दवर्धन घ. विश्वनाथ

16. परस्मैपद में तिप्,तस् आदि प्रत्ययों की संख्या है- (इ. 18)

क

क. 18 ख. 9

ग. 8 घ. 10

17. णिच् प्रत्यय क्रिया में जुडने से क्रिया ..... हो जाती है। (इ. 20)

क. प्रेरणार्थक ख. स्वतंत्र

ग. परतंत्र घ. अन्वार्थक

18. इच्छार्थक धातु बनाने हेतु क्रिया में .....प्रत्यय जुड़ता है।(इ. 20)

क. णिच् ख. सन्

http://ignou.ac.in

ग. तिप् घ. झि

19. णिजन्त में भ् धातु, लट्लकार, परस्मैपद, मध्यमपुरूष बहुवचन का रूप होगा-, (इ. 17)

क. भावयाथ: ख. भवथ

ग. भावयसि घ. भावयथ

उत्तरमाला

11. ख	16 . ख
12. ग	17. क
13; क	18 . ख
14. ख	19. घ
15. क	

विशेष स्तर के प्रश्न

20. ध्वन्यालोक में ध्वनि शब्द का प्रयोग किस अर्थ में नहीं किया गया है? (इ. 14)

क. व्यञ्जना व्यापार ख. वाच्य शब्द

ग. रीतिनिष्पत्ति घ. वाचक अर्थ

21. आनन्दवर्धन के मत के विरोधी आचार्य नहीं है। (इ. 14)

क. मम्मट ख. कुन्तक

ग. भट्टनायक घ. महिभट्ट

22. 'प्रचारस्यन्दयोः रीति शब्द की यह व्युपत्ति उपलब्ध है- (इ. 12)

क. विश्वकोष में ख. अमरकोष में

ग. निरूक्त में घ. निघण्टु

23. 'रीतिसिद्धान्त' के प्रतिस्थापक आचार्य है- (इ. 12)

क. रूद्रट ख. वामन

ग. रूय्यक घ. दण्डी

24. अलंकार सम्प्रदाय का आचार्य कौन नहीं है- (इ. 13)

क. भामह ख. उद्भट

ग. दण्डी घ. कुन्तक

25. अभिनव गुप्त है- (इ. 13)

http://ignou.ac.in

क. रसवादी ख. ध्वनिवादी

ग. अलंकारवादी घ. वक्रोक्तिवादी

26. निर्देशः-निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए- (इ.11)

अ. श्रृंगार 1.हास

ब. रौद्र 2.रति

स. वीर 3.क्रोध

द. हस्य 4.उत्साह

अ.	ब.	स.	द.
क.	1	2	3	4
ख.	2	3	4	1
ग.	2	1	4	3
घ.	1	3	4	2

27. सुमेलित करें- (इ.11)

अ. रस सम्प्रदाय 1.मम्मट

ब. ध्वनिसम्प्रदाय 2.अभिनवगुप्त

स. वक्रोक्ति सम्प्रदाय 3.वामन

द. रीति सम्प्रदाय 4.कुन्तक

अ.	ब.	स.	द.
क.	1	2	4	3
ख.	3	2	1	4
ग.	2	1	4	3
घ.	2	4	1	3

उत्तर माला -

20. ग **23. ख** **26. ख**

21. क **24. घ** **27. ग**

22. ख **25. क**

http://uou.ac.in

लघु उत्तरीय प्रश्न- सामान्य स्तर

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

1. अभिज्ञानवचने ्लृट् की व्याख्या करें
2. नाम धातु से क्या तात्पर्य है?
3. यङ्न्त से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें
4. णिजन्त प्रक्रिया के विषय में संक्षेप में लिखे

उत्तर संकेत -

1. इ.20 पृ0 351
2. इ.18 पृ0 310
3. इ. 18 पृ0 299
4. इ. 17 पृ 285

लघुत्तरीय मध्यम स्तर

5. भामह के अनुसार महाकाव्य का लक्षण लिखिए
6. कुन्तक के अनुसार सुकुमार मार्ग का निरूपण कीजिए
7. रीति का अर्थ एवं परिभाषा लिखिए।
8. रसगंगाधर के अनुसार शोक, क्रोध और निर्वेद स्थायी भावों के लक्षण लिखिए।

उत्तर संकेत

5. इ. 16 पृ0 273
6. इ.13 पृ 208
7. इ.12पृ0 187
8. इ. 11 पृ0 165

लघुत्तरीय विशेष स्तर के प्रश्न

9. 'ध्वनि-सम्प्रदाय के किन्ही दो प्रमुख चिन्तकों पर टिप्पणी लिखिए।
10. अलंकार-सम्प्रदाय के किन्ही दो प्रमुख चिन्तकों पर टिप्पणी लिखिए।

http://uou.ac.in

11. नाट्यशास्त्र के अनुसार रस का निरूपण करें।
12. व्यस्र नाट्य मण्डप के विषय में लिखें।
13. किन्हीं दो नाट्य वृत्तियों पर टिप्पणी लिखें।
14. साहित्यदर्पण के अनुसार व्यञ्जना शब्दी शक्ति पर टिप्पणी लिखें।
15. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यं' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर संकेत -

9. इ.10. पृ0 142,43 **10. इ. 10 पृ 142 , 48**
11 . इ . 9 पृ0 121 **12 .इ.8 पृ0112**
13 . इ. 7 पृ0 91 **14. इ. 4 पृ054**
15; इ. 2पृ0 16

निबन्धात्क प्रश्न- सामान्य स्तर

निर्देशः- निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।

1. विश्वनाथ के अनुसार काव्यप्रयोजन का निरूपण कीजिए।
2. कविराज विश्वनाथ के अनुसार अभिधा शब्द शक्ति का विस्तृत विवेचन कीजिए।
3. नाट्शास्त्र के प्रणेता भरत मुनि का परिचय देते हुए उनके रचना काल एवं परवर्ती आचार्यो के विषय में विवेचन करें।

उत्तर संकेत -

1. इ.2 पृ0 18
2. इ. 4 पृ0 45,47
3. इ. 9 पृ0 119,25

मध्यम स्तर

4. पण्डित राज जगन्नाथ द्वारा विवेचित भावध्वनि का विशद विवेचन करते हुए रसाभास पर प्रकाश डालिए।
5. औचित्य सिद्धान्त क्या है? इसके प्रमुख क्षेत्रों का विवेचन करते हुए काव्य में औचित्य पूर्णता एवं औचित्य हीनता के प्रभाव की चर्चा करें।

http://ignou.ac.in

6. वक्रोक्ति को सर्वालंकार मानने वाले आचार्यो के मत प्रस्तुत कीजिए।

7. ध्वनिसिद्धान्त के मूल तत्व एवं इसके विरोधी मतों पर प्रकाश डालिये।

उत्तर संकेत -

4. इ.11पृ0 169,73
5. इ.11पृ0 169 ,80
6. इ.13पृ0 211 ,15
7. इ.14पृ0229,38

विशेष स्तर

8. भामह के अनुसार काव्य हेतु लिखे।

9. निम्नलिखित रूपों की नियमानुसार सिद्धि करें।

   क. अवभवत्

   ख. स्थापयति

   ग. जिधत्सति

   घ. बुभुषति

10. कण्ड्वादि प्रक्रिया पर प्रकाश डालिये।

उत्तर संकेत -

8. इ. 16 पृ0 268,70

9. क- इ.17 पृ0286, 87

ख- इ.17पृ0 287,88

ग- इ.17 पृ0 290,91

घ- इ; 17 पृ0 291, 92

10-इ. 19 पृ0 325, 30

http://ignou.ac.in

http://uou.ac.in

भाषा विद्या शाखा

UTTARAKHAND OPENE UNIVERSITY

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल

भाषा विद्या शाखा

(संस्कृत विषय)

प्रश्न कोष

पाठ्यक्रम कोड- MASA.01

Course-01 **वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान**

बहु विकल्पीय - सामान्य स्तरीय

निम्नलिखित में सही विकल्प चुनिए-

1. क. परम्परा के अनुसार ''वेद'' शब्द का अर्थ है- (इ.1पृ02)

(1) ग्रन्थ वाचक (2) संहिता वाचक

(3) लौकिक जानकारी (4) अलौकिक ज्ञान का वाचक

ख. वेदों की संख्या कितनी है- (इ.1पृ02)

(1) 3 (2) 4

(3) 5 (4) 6

ग. ''निगम'' शब्द का प्रयोग होता है- -(इ.1पृ03)

1. पुराण के अर्थ में
2. शास्त्रार्थ में
3. वेद के अर्थ में
4. इनमें से कोई नहीं

घ. ''ऋषि'' शब्द का अर्थ है-- (इ.1पृ02)

(1) ऋषिदर्शनात (2) ऋषिर्विमर्शनात

(3) ऋषिसत्तायाम् (4) ऋषिरावरणे

ड़. पचास से अधिक व्यवसायों का वर्णन है--- (इ.1पृ03)

(1) ऋग्वेद में (2) अर्थवेद में

(3) यजुर्वेद में (4) अथर्व एवं सामवेद

च. वेद में आप्त वचन क्या है----(इ.1पृ04)

(1) ईश्वर का वचन (2) गुरू का वचन

(3) प्रामाणिक पुरूष का कथन (4) उपदेश

छ. ऋषियों को कहा जाता है---- -(इ.1पृ04)

(1) मन्त्र ज्ञाता (2) मन्त्र द्रष्टा

(3) मन्त्र निर्माता (4) मन्त्र रचयिता

उत्तर संकेत - 1. क - 4

ख - 2

ग- 3

घ- 1

ड़- 3

च- 1

http://ignou.ac.in

छ- 2

मध्यम स्तरीय- बहुविकल्पीय प्रश्न

ज. अलंकारों के बीज पाये जाते हैं----- -(इ.1पृ04)

(1) वेदों में (2) शास्त्रों में

(3) कल्पों में (4) सूत्रों में

झ. मैक्समूलर के अनुसार वेदों का रचना काल है-- (इ.1पृ05)

(1) 1200 ई0पू0 (2) 700 ई0 पू0

(3) प्रथम शताब्दी (4) तृतीय शताब्दी

ञ. ''ऋच'' से तात्पर्य है--- (इ.1पृ05)

(1) शाखा (2) काव्य

(3) ऋक् स्तूयते (4) ऋच्यन्ते स्तूयन्ते अनया

ट. शाकल शाखा से सम्बन्धित वेद है- (इ.1 पृ0 6)

(1) सामवेद (2) ऋग्वेद

(3) यजुर्वेद **(4)** अथर्वण

उत्तरमाला - ज- 1

झ- 1

ञ- 4

ट- 1

विशेष बहु विकल्पीय-

2. . किस देवता को मरूतों का पिता कहते हैं - (इ.2)

क. रूद्र ख. यम

ग. अग्नि घ. विष्ण

3- रूद्र सूक्त ऋग्वेद के किस मण्डल में है- (इ.2)

क. प्रथम ख. तृतीय

ग. चतुर्थ घ. द्वितीय

4. निम्न में रूद्र सूक्त के ऋषि है- (इ.2)

क. अङ्गिरा ख. गृत्समद्

ग. लोमश घ. वशिष्ठ

5. विष्णु सूक्त का वर्णन ऋग्वेद के किस मण्डल में है- (इ.3)

http://uou.ac.in

क. प्रथम ख. चतुर्थ

ग. तृतीय घ. कोई नहीं

6. ''हवते'' शब्द का अर्थ होता है- (इ.3)

क. हवन करना ख. निन्दा करना

ग. स्तुति करते हैं घ. प्रसंशा करते है।

7. ''ननाम'' शब्द से तात्पर्य है- (इ.3)

क. जिसका नाम न हो ख. नमन करना

ग. हवन करना घ. विष्णु

8. वेद में प्रयुक्त ''रोदसी'' का अर्थ है- (इ.4)

क. पृथ्वी ख. आकाश

ग. पृथ्वी व प्रलोक घ. पाताल

9. मिथ धातु का लिट् लकार प्रथम पुरूष एकवचन में रूप होता है (इ.3)

क. मिमेथ ख. मिमिथे

ग. ममाथ घ. ममूथ

10. इन्द्राग्नी का अर्थ है- (इ.3)

क. इन्द्र तथा अग्नि ख. इन्द्र की अग्नि

ग. इन्द्र से अग्नि घ. कोई नहीं

11 . ''सूर्य'' मार्तण्ड कहलाता है, इसका कारण है- (इ. 5)

क. अण्ड के भीतर मृत रहना ख. पर्यायवाची होना

ग. मृत-अण्ड होना घ. मृत्यु के लिए अन्तरिक्ष में रहना

उत्तरमाला-

2- क 3- घ 4- ख 5- क 6- ग

7- 2 8- ग 9- क 10- क 11- घ

रिक्त स्थानों की पूर्ति के प्रश्न

निर्देश - निम्नलिखित में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1. सुक्रतुम कहा जाता है,.....देवता को ।

http://uou.ac.in

2. समस्त धनों के स्वामी को कहते है.....।
3. हव्यवाह विशेषण वाला देवता .....है।
4. दूतस्य कर्म से .....शब्द बनता है।
5. सायण के मत में.....शब्द का ''विरोधी'' अर्थ होता है।
6. रोगों व शत्रुओं के विनाश के लिये प्रयुक्त शब्द.....है।
7. स्तुहि शब्द लोट् लकार माध्यम पुरूष.....वचन में बनता है।
8. सपर्यति में सपर् का अर्थ.....होता है।
9. हविस्पति शब्द का प्रयोग.....के लिये होता है।
10. पावक शब्द का अन्य अर्थ होता है.....करने वाला ।

उत्तर माला

1. अग्नि	**6- अमीवचातनम्**
2. विश्ववेदसम्	**7- एक**
3. अग्नि	**8. पूजा**
4. दूत्यम	**9. हवियों का स्वामी**
5. प्रतिकूल	**10. पवित्र**

लघुत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में दीजिए।

सामान्य स्तर

1. **विष्णु** देवता का स्वरूप बताइये।
2. संक्षेप में इन्द्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. वरूण की किन्ही दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. पुरूष सूक्त के दार्शनिक महत्व का वर्णन कीजिए।
5. **''कस्मै '' देवाय हविषा विधेम** पर संक्षेप में विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर संकेत -

I. देखें- इ.3 पृ0 38,39
2. इ.3 पृ0 50, 51, 52
3- इ.4 पृ0 70, 71
4- इ.5 पृ0 81, 82

http://uou.ac.in

5- इ.5 पृ0 83, 84, 85

मध्यम स्तरीय-

6. किन्ही तीन उदाहरणों से नासदीय सूक्त का महत्व बताइये।
7. पुरूष सूक्त के किसी मन्त्र को लिखकर उसका अर्थ बताइये।
8. सृष्टि विद्या का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए?
9. यज्ञ का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
10. अग्नि शब्द की व्युत्पत्ति करते हुए उसके कार्यो को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर संकेत -

6. देखें- इ .5 पृ0 86,87
7. इ. 6पृ 91, 92, 93
8. इ. 7 पृ0 129
9. इ.7 पृ0 132
10. इ. 7 पृ0134

विशेष स्तरीय-

11. निरूक्त के अनुसार आचार्य शब्द की व्युत्पत्तियाँ बताते हुए उसके अन्य अर्थो को भी स्पष्ट कीजिए।
12. यास्क के अनुसार ''गौ'' का स्वरूप बताइये।
13. निरूक्त के अनुसार नियातों का वर्णन कीजिए।
14. औदुम्बरायण के शब्द नित्यत्व को स्पष्ट कीजिए।
15. गार्ग्य की युक्तियों का खण्डन कीजिए।

उत्तर संकेत-

11. देखें- इ.9 पृ0 170

12. इ;9 पृ0 175

13. इ.10 पृ0 195

14. इ10 पृ0 196 ,97

15. **इ.10 पृ0 198, 99**

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न-

सामान्य -

http://uou.ac.in

1. वैदिक साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इन्द्र, अग्नि तथा विष्णु के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

2. रूद्र सूक्त के आधार पर उदाहरण सहित रूद्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. इन्द्र सूक्त के आधार पर इन्द्र के कार्यो का विस्तृत विवेचन कीजिए।

उत्तर संकेत -

1- देखें - **इ. 1**

2- **इ. 2**

3- **इ. 3**

मध्यम स्तरीय -

4. प्रमुख दार्शनिक सूक्तों पर एक निबन्ध लिखिए।

5. पुरूष सूक्त का सारांश लिखिए।

6. नासदीय सूक्त के आधार पर परमात्मा के स्वरूप का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

7. वैदिक सृष्टि प्रक्रिया के दार्शनिक विवेचन पर एक लेख लिखिए।

8. निरूक्त के निघण्टु, दक्षिणा, सीमा, अध्वर्यु का निर्वचन स्पष्ट कर विवेचना कीजिए।

9. वेद के महत्व को विवेचित कीजिए।

उत्तर संकेत -

4; देखें- इ.5 **8- इ.9**

5. **इ. 6** **9- इ.10**

6. इ. 6

7- इ. 7

विशेष स्तरीय -

10. भाषाविज्ञान की परिभाषा को बताते हुए उसका प्रमुख शास्त्रों से सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

11. भाषा परिवारों का वर्णन कीजिए ।

12. भाषा के ऐतिहासिक स्वरूप की विवेचना कीजिए ।

http://egpuac.in

उत्तर संकेत -

10- देखें- इ. 14

11- इ. - 15

12- इ.. - 15

http://uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम कोड- MASA-02

प्रश्न पत्र का नाम- ललित साहित्य एवं नाटक

प्रश्न कोष

बहुविकल्पीय प्रश्न- सामान्य स्तर

निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों के चार विकल्प दिए गये है। उनमें से कोई एक सही उत्तर चुनकर लिखें।

1. मालविकाग्निमित्रम् नाटय के रचयिता है- (इ;1)

क. भवभूति ख कालिदास ग. माघ घ. भारवि(इ;1)

2. महाकवि कालिदास रचित महाकाव्यों की संख्या है- (इ;1)

क. चार ख तीन ग. छः घ. आठ

3. अभिज्ञानशकुन्तलम् में अंकों की संख्या है- (इ;1)

क. सात ख. आठ ग. पाँच घ. छः

4. रघुवंश महाकाव्य में सर्गो संख्या कितनी है? (इ;1)

क. 18 ख. 22 ग. 19 घ. 20

5. 'ऋतुसंहार' में वर्णन है- (इ.3)

क. हिमालय ख. श्रृंगार ग. षड्ऋतु घ. अप्राकृतिक

6. निम्नलिखित में उपमा के लिए सर्वप्रसिद्ध कवि कौन है? (इ;2)

क. महाकवि भारवि ख महाकवि कालिदास ग. माघ घ. भास

7. गीति काव्य मेघदूत में कौन सा छन्द प्रयुक्त है? (इ.3)

क. त्रिष्टुप ख शिखरिणी ग. मन्दाकान्ता घ. वसन्ततिलका

8. वैदर्भीरीति का प्रयोक्ता कवि कौन है? (इ;3)

क. कालिदास ख दण्डी ग. बाण घ. पण्डित राज जगन्नाथ

उत्तर माला -

1. ख 2. ख
3. क
4. ग 5. ग 6. ख 7. ग 8. क

मध्यम स्तरीय -बहुविकल्पीय प्रश्न

9. रूपक नाटक के कितने भेद होते है? (इ.10)

क. दस ख. ग्यारह ग. नौ घ. आठ

10. प्रयोग की दृष्टि से काव्य के कौन-कौन भेद होते है? (इ.10)

क. नाटक-प्रकरण ख दृश्य-श्रव्य ग. रूपक-नाटिका घ. खण्ड-काव्य

http://uou.ac.in

11. 'नाटिका' के कितने भेद बताए गए है? (इ.10)

क. 26 ख. 27 ग. 15 घ. 28

12. 'त्रोटक' किसके अन्तर्गत आता है? (इ.10)

क. नाटक ख रूपक ग. नाटिका घ. उपरूपक

13. गीतिकाव्य परम्परा का उल्लेख सर्वप्रथम मिलता है- (इ.11)

क. उपनिषद में ख वेदों में ग. रामायण में घ. महाभारत में

14. 'कश्चित्कान्ताविरहगुरूणा' में गुरू का अर्थ है- (इ.6)

क. अपार ख प्रशस्त ग. असहनीय घ. बड़ा

15. 'धूमज्योतिसलिलमरूतांसन्निपातः' से तात्पर्य है- (इ.6)

क. यक्ष ख वर्षा ग. मेघ घ. पुष्प

16. 'नियत श्राव्य' के भेद होते है- (इ.10)

क. दो ख चार ग. पाँच घ. एक

उत्तर माला - 9.क

10.ख

11. घ 12. घ 13. ख

14. ग 15. ग 16. क

विशेष स्तरीय - बहु विकल्पीय प्रश्न

17. सूच्य कथावस्तु को कितने अर्थोपक्षकों द्वारा सूचित किया जाता है (इ.10)

क. छः ख. पाँच ग. तीन घ. चार

18. रूपकों (नाटक) में संधि के भेद है- (इ.11)

क. तीन ख. छः ग. पाँच घ. चार

19. मुख, प्रतिमुख, गर्भ आदि को कहते है- (इ.10)

क. सन्धि ख. कार्यावस्था ग. अर्थप्रकृति घ इनमें से कोई नहीं

20. **'इतिवृत्तं' तु नाट्यस्य शरीरं परिरकीर्तितः**' यह कथावस्तु का लक्षण किया है- (इ.10)

क. धनञ्जय ख दण्डी ग. भट्टनारायण घ. भरतमुनि

http://uou.ac.in

21. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए (इ.12)

क उत्तरराम चरितम्	1. बाण भट्ट
ख कादम्बरी	2. भट्टनारायण
ग मृच्छकटिकम्	3. भवभूति
घ वेणी संहार	4. शूद्रक

	क.	ख	ग.	घ.
1.	3	1	4	2
2.	3	4	2	1
3.	4	3	1	2
4.	3	1	2	4

22 . सुमेलित कीजिए- (इ.19)

क मृच्छकटिकम्	(1) 7 अंक
ख अभिज्ञान शाकुन्तलम्	(2) 10 अंक
ग मालविकाग्निमित्रम्	(3) 6 अंक
घ वेणीसंहार	(4) 5 अंक

	क	ख	ग.	घ.
1.	(1)	(2)	(3)	(4)
2.	(4)	(3)	(1)	(2)
3.	(2)	(1)	(4)	(3)
4.	(3)	(4)	(1)	(2)

23. निम्नलिखित को सुमेलित कर सही उत्तर चुनें - (इ.13)

क अत्यादरः शंकनीयः	(1) अभिज्ञान शाकुन्तलम्
ख अर्थो हि कन्या परकीय एवं	(2) किरातार्जुनीयम्
ग कमार्त्ता हि प्रकृति कृपणा:	(3) मुद्राराक्षसम्
घ हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः	(4) मेघदूतम्

क ख ग. घ.

http://uou.ac.in

1. (4) (3) (2) (1)
2. (3) (1) (4) (2)
3. (1) (2) (3) (4)
4. (3) (2) (4) (1)

24. निम्नलिखित को सुमेलित कर सही उत्तर चुनें - (इ.14)

क शिशुपालवधम्	(1) उच्छ्वास
ख हर्षचरितम्	(2) अंक
ग उत्तररामचरितम्	(3) खण्ड
घ मेघदूतम्	(4) सर्ग

	क	ख	ग.	घ.
1.	(4)	(1)	(2)	(3)
2.	(3)	(2)	(1)	(4)
3.	(4)	(2)	(1)	(3)
4.	(1)	(2)	(3)	(4)

25. निम्नलिखित को सुमेलित कर सही उत्तर चुनें - (इ.12)

क किरातार्जुनीयम्	(1) श्रृंगार
ख नैषधीयचरितम्	(2) वीर रस
ग उत्तरराम चरितम्	(3) वियोग श्रृंगार
घ मेघदूतम्	(4) करूण रस

	क	ख	ग.	घ.
1.	(3)	(4)	(1)	(2)
2.	(2)	(1)	(4)	(3)
3.	(2)	(4)	(1)	(3)
4.	(1)	(2)	(3)	(4)

उत्तर माला -

http://uou.ac.in

17. ख 18. ग 19. क 20. घ

21- 1

22- 3

23- 2

24- 1

25- 2

लघु उत्तरीय प्रश्न -

निर्देश- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में दीजिए।

सामान्य स्तर -

1. किन्ही दो श्लोकों द्वारा कालिदास के उपमा प्रयोग का वर्णन कीजिए।
2. गीतिकाव्य अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों को लिखिए।
3. गीतिकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
4. बौद्ध थेर गाथा में गीतिकाव्य परम्परा का उल्लेख कीजिए।

उत्तर संकेत-

1. देखें- इ.1 पृ0 41

2. इ.1 पृ0 42

3. इ. 2 पृ0 48

4. इ. 2 पृ0 52

मध्यम स्तरीय -

5. 'कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतेनेषु' इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

6. मेघा लोके भवति सुखिनो डप्यन्यथा वृत्तिचेतः का भाव स्पष्ट कीजिए।
7. किन्ही तीन उदाहरणों द्वारा अलका नगरी को विशेषता बताइए।
8. रिक्तः सर्वो भवति हि लघु पूर्णता गौरवाय' का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए।
9. रूपक किसे कहते है? स्पष्ट करें।

उत्तर संकेत -

5. इ. 2 पृ0 55

6. इ. 3 पृ0 58

http://uou.ac.in

7. इ.3 पृ0 65

8. इ. 4 पृ0 71

9. इ;8 पृ0 138 -

विशेष स्तरीय -

10. संस्कृत रूपकों की विशेषताओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

11. नाटककार विशाखदत्त की नाट्य शैली पर प्रकाश डालिए।

12. 'कीदृशस्तृणानामग्निना सह विरोधः की व्याख्या कीजिए।

13. मृच्छकटिकम् के द्वितीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

14. 'वरं व्यायच्छतो मृत्युर्न गृटीतस्य बन्धने' सूक्त् की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

15. मुद्राराक्षस नाटक में राक्षस और राजनीति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर संकेत-

10. इ. 10 पृ0 159, 62

11. इ. 12 पृ0 179

12. इ; 16 पृ0 263

13. इ. 17 पृ0 291

14. इ. 21 पृ0 378

15. इ. 15 पृ0 240

http://uou.ac.in

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न-

सामान्य स्तरीय

1. महाकवि कालिदास की काव्यकला का विस्तृत निरूपण कीजिए।

2. 'उपमाकालिदासस्य' का वैशिष्ट्य मेघदूत के आधार पर निरूपित कीजिए।

3. मेघमार्ग का निरूपण कीजिए।

4. रूपक का अर्थ बताते हुए उसके प्रकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. संस्कृत के प्रमुख नाटककारों का उल्लेख कर उन पर एक निबंध लिखिए।

उत्तर संकेत - 1- इ.2 पृ0 10 , 15

2- इ.5 पृ0 48,49,50

3- इ. 5 ,6

4- इ.10

5- इ.10 पृ 163 , 67

विशेष स्तरीय - निबन्धात्मक

6. नाटककार विशाखदत्त का परिचय प्रस्तुत कर मुद्राराक्षस सारांश लिखिए।
7. मुद्राराक्षस के अनुसार चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।
8. शूद्रक का परिचय देते हुए उनके स्थिति काल का निर्धारण कीजिए।
9. मृच्छकटिकम् के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।
10. मुद्राराक्षस की शास्त्रीय विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर संकेत -

6- द्रष्टव्य -इकाई -10, 13 पृ0-170-177

7- द्रष्टव्य -इकाई -15 पृ0-230-235

8 - द्रष्टव्य -इकाई -17 पृ0-279

9- द्रष्टव्य -इकाई -20 पृ0-359-61

10--इकाई -12 पृ0-183-88

http://ugc.ac.in